NBT PAGE 6

एलयू में पीजी और पीएचडी प्रवेश के लिए...

विभाग खुद करवाएंगे परीक्षा

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय नए सत्र 2021-22 में पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी में एडमिशन करने का अधिकार सभी विभागों को दे रहा है। विवि प्रशासन का कहना है कि इस प्रक्रिया से लागू होने से सभी विभागों की कार्य कुशलता में सुधार आएगा।

नए सत्र से लागू होगी प्रवेश प्रक्रिया

विभागों को दी जाएगी गाइडलाइनः कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि नए सत्र से सभी विभागों को प्रवेश के लिए जरूरी गाइडलाइन तैयार करके दी जाएगी। इसमें सीटों के निर्धारण, उन पर लागू होने वाले रिजर्वेशन की प्रक्रिया और दूसरे सभी दिशा-निर्देश शामिल होंगे। कुलपति ने बताया कि पीजी और पीएचडी के ज्यादातर कोर्सेज में सीटों की संख्या काफी कम होती है और उनमें 100 से 300 तक आवेदन आते हैं। ऐसे में विभाग को अपने स्तर पर इतने स्टूडेंट्स का प्रवेश प्रक्रिया करवाना कोई बड़ी चुनौती नहीं होगा।

विवि प्रवेश प्रक्रिया की करेगा निगरानीः कुलपति प्रो. राय ने बताया कि नई प्रक्रिया के अनुसार विभाग अपने स्तर पर खुद तैयारी करेंगे। विभागाध्यक्ष की निगरानी में प्रवेश परीक्षा का पेपर बनवाया जाएगा। परीक्षा करवाने और मूल्यांकन की जिम्मेदारी भी विभाग को निभाना होगा। रिजल्ट भी विभागीय स्तर पर तैयार किया जाएगा। इसके बाद काउंसलिंग की प्रक्रिया भी विभागीय स्तर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि विवि स्तर पर विभाग में होने वाले प्रवेश प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी।

पुराने पैटर्न पर होंगे यूजी कोर्स के बैक पेपर

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेजों में होने वाली यूजी कोर्सेज बीए, बीएससी और बीकॉम की बैक और इम्प्रूवमेंट की परीक्षाएं विवि प्रशासन पुराने पैटर्न पर ही करवाएगा। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बैक और इम्प्रूवमेंट परीक्षा थ्योरी बेस्ड ही होगी। इससे पहले कोरोना संकट को देखते हुए यूजी और लॉ कोर्सेज के फाइनल इयर की परीक्षाएं एक्यूरसी पैटर्न पर करवाई गई थीं।

एलएलएबी फाइनल इयर का भी होगा बैक पेपरः प्रो. सक्सेना ने बताया कि यूजी कोर्सेज के अलावा लॉ थ्री इयर पाठ्यक्रम के स्टूडेंट्स जिनका छठा सेमेस्टर (जून 2020) के रिजल्ट के लिए गठित समिति की संस्तुति के आधार पर वीसी ने इसका पेपर भी थ्योरी बेस्ड करवाने को कहा है।

क्लासेज के लिए फीस रसीद लाना जरूरी

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू में सोमवार से ऑफलाइन क्लासेज शुरू होने जा रही हैं। शासन के दिशा-निर्देश के अनुसार कैंपस में केवल 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स ही बुलाए जाएंगे। वहीं, स्टूडेंट्स को कैंपस में पहचान के लिए कोर्स की फीस रसीद साथ लानी होगी। इसके लिए एलयू चीफ प्रॉक्टर डॉ. दिनेश कुमार ने निर्देश जारी कर दिए हैं।

एलयू में 7 से शुरू होंगी ऑफलाइन क्लासेज

बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश होगा प्रतिबंधितः चीफ प्रॉक्टर ने बताया कि क्लासेज समाप्त होने पर स्टूडेंट्स को कैंपस छोड़ना होगा। किसी को लैब या लाइब्रेरी जाना हो तो वहां जा सकते हैं। कैंपस आने के दौरान स्टूडेंट्स को कोरोना गाइडलाइंस का पूरी तरह से पालन करना होगा। चेकिंग में पकड़े जाने पर कार्रवाई होगी। इसके साथ कैंपस में बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

एलयू सोमवार से बनेगा 'नो वीकल जोन'

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय को 'नो वीकल जोन' बनाने के लिए एलयू के प्रॉक्टर प्रो. दिनेश कुमार ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिए हैं। आदेशानुसार कैंपस में वाहन प्रवेश पर रोक रहेगी। प्रॉक्टर ने उन्हीं शिक्षकों, कर्मचारियों और दिव्यांग स्टूडेंट्स के वाहन प्रवेश की अनुमति दी है, जिन्हें एलयू प्रशासन की ओर से वाहन पास जारी किए गए हैं। इन लोगों को वाहन केवल गेट नंबर 2 से अंदर लाने की अनुमति होगी।

पढ़ाई शुरू होने के चलते प्रॉक्टर ने जारी किए आदेश

प्रॉक्टर के पत्र के मुताबिक, स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सभी अधिकारी, शिक्षक और कर्मचारी अपने विभाग के पास वने स्टैंड में वाहन पार्क करेंगे। बहुत जरूरी काम होने पर ही वाहन से अंदर आ सकेंगे। वहीं, स्टूडेंट्स गेट नंबर 1, 2, 4 और 5 पर अपने वाहन खड़े करेंगे। अनाधिकृत तौर पर कोई भी छात्र वाहन के साथ परिसर में घूमता मिला तो उसके विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

वीसी का दावा, पीजी प्रवेश परीक्षा परिणाम पूरी तरह सही

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू की पीजी प्रवेश परीक्षा परिणाम के बाद हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। एलयू प्रशासन ने भी परीक्षा में गड़बड़ी स्वीकार की थी, लेकिन अब विवि प्रशासन ने साफ कर दिया गया है कि जो भी गड़बड़ी थी उसे दूर किया जा चुका है। इसके बाद अब परिणाम में किसी भी तरह के बदलाव की कोई भी गुंजाइश नहीं है।

विवि प्रशासन का कहना है कि परिणाम को लेकर जो आंदोलन हो रहे हैं वह एक छात्रनेता का विवि में प्रवेश न मिलने की कुंठा से है। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय का कहना है कि कमिटी बनाकर जो परिणाम घोषित किए गए हैं, वह पूरी तरह से सही हैं। वहीं विवि परिसर में हो रहे आंदोलन को रोकना पुलिस की जिम्मेदारी मानी जाएगी।

'ओडीओपी' के लिए बनी तीन सदस्यीय कोर कमिटी

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू ने राज्य सरकार के ड्रीम प्रॉजेक्ट ओडीओपी से जुड़ने का निर्णय लिया है। इसके लिए विवि की ओर से तीन सदस्यीय कोर कमिटी का गठन किया गया है। कमिटी क्षेत्राधिकार के अंतर्गत शामिल जिलों में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए उनके स्किल डिवेलपमेंट जैसे कार्यक्रम शुरू करेगी। इसरो वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के उद्देश्यों को पूरा किया जा सकेगा। कोर कमिटी के दायरे में पांच सब कमिटियां काम करेंगी, जिसमें हर जिले से 2 लोग शामिल किए जाएंगे। कोर कमिटी की अध्यक्ष शिक्षा विभाग की प्रो.अमिता बाजपेई होंगी। वहीं, सांख्यिकी विभाग के प्रो. राजीव पांडे और अंग्रेजी विभाग के प्रो. आरपी सिंह भी शामिल होंगे।

बीएड प्रवेश के अंतिम चरण की काउंसलिंग शुरू

■ एनबीटी, लखनऊः राजधानी समेत प्रदेश के बीएड कॉलेजों में दाखिले के लिए अंतिम चरण की काउंसलिंग शुरू हो गई। इसमें ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए पंजीकरण न करवा पाने वाले प्रथम से लेकर अंतिम रैंक तक के सभी अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं। बीएड की राज्य समन्वयक प्रो.अमिता बाजपेई ने बताया कि इस काउंसलिंग के तीसरे चरण की प्रक्रिया भी शुक्रवार को पूरी हो गई है। इसमें कुल 29947 अभ्यर्थियों ने काउंसलिंग में हिस्सा लिया। इनमें से 26507 अभ्यर्थियों को महाविद्यालयों में सीट आवंटित हुई है।

बेटे ने एलयू को सौंपी पिता की 100 साल पुरानी डिग्री

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और आजादी के बाद प्रदेश के पहले भारतीय डीआईजी सिराजउद्दीन अहमद के अपने पिता की इंटरमीडिएट, बैचलर ऑफ साइंस और बैचलर ऑफ लॉ की मूल डिग्रियां शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सौंपी। 100 साल पुरानी पहली डिग्री कर्नल फसीह के पिता को कैनिंग कॉलेज से मिली इंटरमीडिएट की डिग्री है। दूसरी डिग्री कैनिंग कॉलेज से नवंबर 1920 में एलयू बने इस संस्था की पहले स्नातक पाठ्यक्रम की डिग्रियों में से एक है। कर्नल फसीह खुद लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र रहे हैं। उन्होंने अपने पिता द्वारा परिसर के बारे में बताए गए किस्सों की याद ताजा की। सिराजुद्दीन ने 1920 में इंटर पास किया और लखनऊ के नवगठित विश्वविद्यालय में पहले स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिला लिया था। उन्होंने 1922 में रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी के साथ स्नातक की उपाधि हासिल की और 1925 में अपनी व्यावसायिक विधि की डिग्री पूरी की। उसी वर्ष उन्हें इम्पीरियल पुलिस बल के लिए चुना गया और जिस दिन भारत ने स्वतंत्रता हासिल की, वे उत्तर प्रदेश के पहले भारतीय डीआईजी बने। प्रो. राय के मुताबिक, अहमद की डिग्री को संरक्षित कर विवि में स्मारिका के तौर पर रखा जाएगा।

पहले भारतीय डीआईजी सिराजउद्दीन अहमद के पुत्र कर्नल फसीह अहमद ने शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को अपने पिता की डिग्रियां सौंपी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि को भेंट में मिली 100 साल पुरानी डिग्री

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में शुक्रवार को यहां की 100 साल पुरानी डिग्री भेंट में मिली। लविवि से सौ साल पहले डिग्री पाने वाले सिराजुद्दीन अहमद के पुत्र कर्नल फसीह अहमद ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को अपने पिता की इंटरमीडिएट, बैचलर ऑफ साइंस और बैचलर ऑफ लॉ की मूल डिग्रियां सौंपी।

सिराजुद्दीन अहमद।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 100 साल पुरानी पहली डिग्री कर्नल फसीह के पिता की कैनिंग कॉलेज से मिली इंटरमीडिएट और दूसरी डिग्री कैनिंग कॉलेज से नवंबर 1920 में लखनऊ विश्वविद्यालय बने इस संस्थान की पहले स्नातक पाठ्यक्रम की डिग्रियों में से एक है। कर्नल फसीह ने अपने पिता द्वारा परिसर के बारे में बताए गए किस्सों की याद ताजा की। श्री अहमद ने 1920 में अपना इंटर पास किया और लखनऊ के नवगठित विश्वविद्यालय में पहले स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। उन्होंने 1922 में विषयों के रूप में रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान और जूलॉजी के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 1925 में अपनी व्यावसायिक विधि की डिग्री पूरी की। उसी वर्ष उन्हें इम्पीरियल पुलिस बल के लिए चुना गया। वे उत्तर प्रदेश के पहले भारतीय डीआईजी बने।

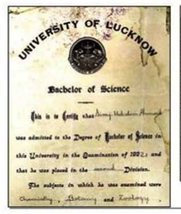

लविवि को भेंट में मिली सौ साल पुरानी डिग्री।

HINDUSTAN PAGE 8

विश्वविद्यालय प्रशासन ने किया परीक्षा पैटर्न में बदलाव, एमसीक्यू पैटर्न से नहीं कराई जाएंगी परीक्षाएं

थ्योरी पैटर्न पर आधारित होंगे बैक पेपर

लखनऊ विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में संभावित स्पेशल बैक पेपर परीक्षाओं के पैटर्न में बदलाव कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन परीक्षाओं को एमसीक्यू से न कराकर थ्योरी आधारित कराने का फैसला लिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि स्नातक (बीए, बीएससी एंव बी.काम) बैक पेपर/इम्प्रूवमेन्ट परीक्षा -2020 की परीक्षाएं विगत वर्षों की भांति (थ्योरी आधारित) कराई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इस बार विधि (त्रिवर्षीय) छठे सेमेस्टर जून 2020 के परीक्षाफल को लेकर छात्रों ने आपत्ति उठाते हुए थ्योरी आधारित परीक्षा कराने की मांग की थी। इस संबंध में एक समिति का गठन किया गया। कुलपति ने समिति की संस्तुति पर छठे सेमेस्टर के छात्रों को विशेष परिस्थितियों में उनकी स्पेशल बैक पेपर/इम्प्रूवमेन्ट/ इक्जम्टेड एवं कोविड -19 में छूटे छात्रों की होने वाली परीक्षाएं पिछले वर्षों की तरह थ्योरी आधारित कराने का फैसला लिया है।

प्रदेश के पहले भारतीय डीआईजी सिराजउद्दीन अहमद के पुत्र कर्नल फसीह अहमद ने शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के साथ मुलाकात कर अपने पिता की डिग्रियां साझा कीं।

वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध, सिर्फ पास वालों को छूट

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर को वाहन निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। अब परिसर में सिर्फ उन्हीं वाहनों को प्रवेश दिया जाएगा जिनके पास होंगे। सात दिसम्बर से ऑफलाइन कक्षाओं के दौरान व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रॉक्टर की ओर से शुक्रवार को यह निर्देश जारी किए गए हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रॉक्टर कार्यालय की ओर से सिर्फ 25 वाहनों के लिए पास जारी किए हैं। छात्रों को अपने छात्रत्व की पुष्टि के लिए दस्तावेज लेकर आना होगा।

गर्व के पल

एलयू को सौंपी 100 साल पुरानी डिग्रियां

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और आजादी के बाद प्रदेश के पहले भारतीय डीआईजी सिराजउद्दीन अहमद के पुत्र कर्नल फसीह अहमद ने शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को अपने पिता की डिग्रियां सौंपीं। उन्होंने अपने पिता की इंटरमीडिएट, बैचलर ऑफ साइंस और बैचलर ऑफ लॉ की मूल डिग्रियां विश्वविद्यालय को सौंपीं। उत्कृष्ट रूप से संरक्षित डिग्रियां 100 साल पुरानी हैं। पहली कैनिंग कॉलेज से मिली इंटरमीडिएट की डिग्री है। दूसरी कैनिंग कॉलेज से 1920 में एलयू में बने इस संस्था की पहले स्नातक पाठ्यक्रम की डिग्रियों में से एक है। कर्नल फसीह ने जो खुद एलयू के छात्र थे, अपने पिता द्वारा परिसर के किस्सों की याद ताजा की।

i-NEXT PAGE 1 & 4

एलयू में डिपार्टमेंट स्तर से होंगे पीजी और पीएचडी में एडमिशन

एडमिशन का अब नया सिस्टम

SPECIAL

LUCKNOW (4 Dec, inext):

लखनऊ यूनिवर्सिटी नए सेशन 2021-22 में पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी एडमिशन की प्रक्रिया को डिसेंट्रालाइज करने जा रही है। अभी तक यूजी, पीजी और पीएचडी कोर्सेज में एडमिशन की प्रक्रिया सेंट्रलाइज्ड तरीके से होती आ रही है. यूनिवर्सिटी पीजी और पीएचडी कोर्सेज में एडमिशन का अधिकार सभी डिपार्टमेंट्स को देगा.

नए सेशन में एलयू सभी डिपार्टमेंट को देगा एडमिशन करने का अधिकार

एडमिशन की गाइडलाइन तैयार कर के सभी विभागों को भेजी जाएगी

बनेगी नयी गाइडलाइन

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नए सेशन से सभी डिपार्टमेंट को एडमिशन के लिए गाइडलाइन तैयार करनी होगी. इसमें सीटों के निर्धारण, उन पर लागू होने वाले रिजर्वेशन की प्रक्रिया और दूसरे सभी निर्देश शामिल होंगे. वीसी ने बताया कि हमारा उद्देश्य सभी डिपार्टमेंट्स को पॉवरफुल बनाना है. पीजी और पीएचडी लेवल पर एडमिशन डिपार्टमेंट लेवल पर कराना आसान है. पीजी में ज्यादातर कोर्सेज में सीटों की संख्या कम होती है और उनमें सौ, दो सौ और तीन तक आवेदन आते हैं. पीजी व पीएचडी में एडमिशन डिपार्टमेंट के अनुसार ही होते हैं.

एग्जाम और रिजल्ट तैयार करने का अधिकार

वीसी ने बताया कि नई प्रक्रिया के अनुसार डिपार्टमेंट अपने लेवल पर खुद तैयारी करेंगे. डिपार्टमेंट हेड की निगरानी में एंट्रेंस एग्जाम का पेपर बनवाया जाएगा, एग्जाम कराने और मूल्यांकन की जिम्मेदारी भी विभाग की होगी. रिजल्ट भी डिपार्टमेंट स्तर तैयार किया जाएगा और काउंसलिंग भी डिपार्टमेंट स्तर पर होगी. यूनिवर्सिटी सिर्फ निगरानी करेगी.

CONCEPT PIC

यूजी में अभी पुराना सिस्टम ही

वीसी प्रो. राय ने बताया कि यूजी में एडमिशन के लिए प्रक्रिया पहले की तरह ही सेंट्रलाइज्ड पैटर्न पर की जाएगी. यूजी में बच्चों का पहले से यह नहीं पता होता है कि वह किस डिपार्टमेंट में एडमिशन लेंगे. ऐसे में इन कोर्सेज में पहले से चली आ रही प्रक्रिया ही फाल्लो की जाएगी.

शुरू हुई तैयारियां

अभी डिपार्टमेंट को एकेडमिक व वित्त समिति संबंधी गतिविधियों को शुरू करने के लिए एकेडमिक गाइडलाइंस का पालन करने के साथ ही विवि पर निर्भर रहना पड़ता है. यूनिवर्सिटी में 45 विभाग हैं. ऐसे में यूनिवर्सिटी स्तर या यूजीसी स्तर पर कोई भी गाइडलाइन पूरी यूनिवर्सिटी को ध्यान में रख कर तैयार होती है. इसका विभागों पर असर पड़ता है. ऐसे में एकेडमिक लिहाज से यूनिवर्सिटी का मानना है कि विभागों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने देना चाहिए. यूनिवर्सिटी वही हस्तक्षेप करेगी जहां जरूरत होगी. यूनिवर्सिटी ने इस दिशा में कार्ययोजना बनाना भी शुरू कर दिया है.

बढ़ेगी फाइनेंशियल पॉवर

यूनिवर्सिटी प्रशासन विभागों की फाइनेंशियल पॉवर बढ़ाने के समर्थन में है. अभी हर कार्य के लिए विभागों को वित्त विभाग के चक्कर काटने पड़ते हैं. ऐसे में कोशिश है कि फाइनेंशियल पॉवर बढ़ने से विभागों को आश्रित नहीं रहना पड़ेगा. यूनिवर्सिटी अगली वित्त समिति की बैठक में मामला ले जा सकता है.

LUCKNOW CALLING!

लखनऊ यूनिवर्सिटी में पीजी और पीएचडी में एडमिशन प्रक्रिया बदलने पर क्या लाभ होगा. इसके बारे में आपकी क्या राय है, हमें बताएं ?

हमें वाट्सएप करें 7275932460

विभाग ऑटोनॉमस होने के चलते क्वॉलिटी को लेकर निर्णय लेने को स्वतंत्र होंगे. अगले सेशन पीजी एडमिशन प्रक्रिया अलग होगी.

प्रो. आलोक राय
वीसी, एलयू

फीस रसीद ही होगी स्टूडेंट्स का आईकार्ड

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 Dec): लखनऊ यूनिवर्सिटी 7 दिसंबर से ऑफलाइन क्लास शुरू करने जा रहा है. इस दौरान सिर्फ 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स ही कैंपस में आएंगे. इस दौरान स्टूडेंट्स को जिस कोर्स में एडमिशन लिया है, उसकी फीस रसीद अपने पास रखनी होगी. चीफ प्रॉक्टर डॉ. दिनेश कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है.

एलयू बनेगा नो व्हीकल जोन

7 दिसंबर से एलयू को नो व्हीकल जोन बना दिया जाएगा. सिर्फ उन्हीं के वाहन यूनिवर्सिटी में आ सकेंगे जिन्हें यूनिवर्सिटी ने पास जारी किए हैं. इन लोगों के वाहन गेट नं. 2 से अंदर आएंगे. इन वाहनों को संबंधित विभागों के पास बने स्टैंड में ही खड़ा किया जाएगा. वहीं स्टूडेंट्स गेट संख्या 1, 2, 4 और 5 पर अपने वाहन खड़े करेंगे.

अभी स्टूडेंट्स को आईकार्ड नहीं मिले

एलयू के अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा सेशन का एडमिशन प्रक्रिया अभी समाप्त नहीं हुई है और स्टूडेंट्स को आईकार्ड नहीं जारी किए गए हैं. ऐसे में स्टूडेंट्स को फीस रसीद अपने पास रखनी होगी.

करना होगा नियमों का पालन

चीफ प्रॉक्टर डॉ. दिनेश कुमार ने बताया 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स अपने टाइम टेबल के अनुसार क्लासेज में जाएंगे और क्लास खत्म होते ही उन्हें कैंपस छोड़ना होगा. इस दौरान वे लैब या लाइब्रेरी में जा सकते हैं. कैंपस में आने और रहने के दौरान स्टूडेंट्स को कोविड गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करना होगा. बाहरी व्यक्तियों को कैंपस में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा.

विभागों को स्वतंत्र कॉलेज की तरह काम का मिलेगा मौका

लविवि के सभी विभागों के जल्द ही छोटी-छोटी जरूरतें के लिए कुलपति और अन्य अधिकारियों के सामने खड़ा नहीं होना पड़ेगा। वे अपने निर्णय खुद कर सकेंगे। बजट के अथर पर उन्हें खर्च करने की शक्ति भी दी जाएगी। ताकि वे एक स्वतंत्र कॉलेज की तरह ही अपना काम कर सकें, जिसके पहले विभागों का बेहतर संचालन किया जा सकेगा।

- विभागों के बढ़ाए जाएंगे वित्तीय अधिकार, खुद ले कर सकेंगे अपने फैसले
- शुरू होगी नई व्यवस्था, और बेहतर तरीके से लेगा विभागों का काम

लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब 50 विभाग हैं। इनमें से अधिकांश पुराने परिसर और कुछ विभाग जानकीपुरम विस्तार स्थित नए कैंपस में हैं। नए कैंपस में विवि विभाग जैसा अहम विभाग भी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि विभागों के अपने छोटे-छोटे काम करवाने के लिए लंबी प्रक्रिया का सामना करना पड़ता है, जिससे कई बार काम अटक जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि सभी विभाग अपने आपस स्वायत्त संस्थान गठन हों, जिससे उनकी व्यवस्था बेहतर हो जाए। इसलिए अब विभागों के वित्तीय अधिकार बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत वे अपने बजट से बचा कर कारबिल सीधे अकाउंट में भेज सकेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बनेंगी नई इमारतें

शताब्दी वर्ष में होगा कायाकल्प यूजी व पीजी के लिए अलग-अलग ब्लॉक बनाने के लिए बन रही डीपीआर

■ जागो रिपोर्ट

लविवि में राजनीतिशास्त्र विभाग से समाजशास्त्र की कक्षा तक जाने के लिए जैसे ब्लॉक तक करीब एक किमी. का सफर आठ से 10 मिनट में विद्यार्थी पूरा करते हैं। इस कष्ट से निजात दिलाने की तैयारी की जा रही है। विश्वविद्यालय में अंडरग्रेजुएट ब्लॉक की तर्ज पर नई उच्च बिल्डिंग आधुनिक सुविधाओं के साथ बनेगी। इसमें यूजी और पीजी ब्लॉक होंगे। सभी विषयों को कक्षाएं एक साथ लगेंगी।

विश्वविद्यालय को खाली भूमि पर ये इमारतें बनाई जाएंगी। इन इमारतों की वजह से विद्यार्थियों को कक्षाओं के बदलने पर लंबी दूरी तक पैदल नहीं चलना पड़ेगा। अगले 10वें साल में लखनऊ विश्वविद्यालय कुछ नया बनने को तैयारी कर रहा है। इसके तहत बहुमंजिला इमारतें में पढ़ाई करवाई जाएगी ताकि विद्यार्थी आसानी से एक ही बिल्डिंग के भीतर बेहतर सुविधाओं के साथ अपने सभी कक्षाओं को पढ़ाई कर सकें।

होंगी आधुनिक सुविधाएं

इन बिल्डिंगों में न केवल कक्षाएं लगेंगी, बल्कि कैंटीन, आधुनिक शौचालय, सीसी कैमरा सिस्टम के अलावा ऑनलाइन लर्निंग संबंधित आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। अध्यापकों के लिए बैठने की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। ऐसी तीन बिल्डिंगें में लविवि ओल्ड कैंपस के लगभग सभी विभागों को समाहित किया जा सकेगा, जिसको लेकर प्रस्ताव बनाया जा रहा है।

हमने प्रस्ताव तैयार किया है। ये हमारा शताब्दी वर्ष है, इसलिए हम विश्वविद्यालय को पूरी तरह से बदलने की तैयारी में लगे हुए हैं। इसको लेकर यूजी और पीजी की पढ़ाई के लिए अलग-अलग बिल्डिंगों में ब्लॉक बनेंगे। हम इस संबंध में डीपीआर तैयार कर के शासन को भेजेंगे, ताकि बजट पास हो और लविवि का कायाकल्प किया जा सके। इन ब्लॉकों के बनने से विद्यार्थी और अध्यापक, दोनों की समस्याओं का समाधान होगा।

प्रो आलोक कुमार राय, कुलपति लविवि

100 साल पुराने विश्वविद्यालय परिसर को रीस्टोर से कोई भी खिलवाड़ नहीं किया जाएगा। लविवि के परिसर में जो भी जमीन खाली और अतिक्रमित है, उसका ही उपयोग इन इमारतों के निर्माण करने के लिए होगा। लविवि में ऐसी काफी जमीन खाली है, जिसका हम उपयोग इस तरह की इमारतों के निर्माण के लिए कर सकते हैं।

कॉमर्स विभाग के जीर्णोद्धार के लिए फिर भेजा प्रस्ताव

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कॉमर्स विभाग बिल्डिंग की स्थिति ठीक नहीं है। इसके जीर्णोद्धार को लेकर कुछ समय पहले शासन को प्रस्ताव भेजा गया था मगर, कोई भी उत्तर नहीं आया। इस प्रस्ताव को अब नए सिरे से शासन की ओर जा रहा है। कॉमर्स विभाग में विद्यार्थियों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है।

अभी ऑनलाइन ही जारी रहेगी पढ़ाई

कोविड प्रकोप को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय में अभी कोई पढ़ाई अभी ऑनलाइन ही जारी रहेगी। सभी विभाग अपने-अपने हिसाब से विद्यार्थियों की सहमति में केवल वोन्ड हुआ सकते है। इसके अलावा विद्यार्थियों का कोर्स स्तर एवं के माध्यम से एलयू पूरा करवाया करेगा, ताकि परीक्षाओं से पहले कोर्स पूरा करवाया जा सके। ऐसे सभी विभागों में टाइटेबल बनाया गया है, जिसमें छात्र-छात्राओं को सप्ताह में दो बार बुलाने का प्रयास किया जा रहा है। साल दिसंबर से कक्षाओं को शुरू करने की तैयारी थी, मगर टाइम टेबल कुछ इस तरह का है जिसमें सप्ताह में दो बार ही विद्यार्थी आए। जब प्रायोगिक परीक्षाओं की बात है, तो कक्षाएं होंगी। उसमें भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 50 परिसर से ज्यादा विद्यार्थी न आएं। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अभी ऑनलाइन कक्षाओं का ज्यादा चलना ही उचित है। इसलिए परिसर में बुलाकर हम केवल विद्यार्थियों को जिज्ञासाओं को ही शांत करेंगे। इसके अतिरिक्त नियमित कक्षाएं अभी ऑनलाइन ही होंगी। बाकी तीन वेयरियंटों का प्रायोगात्मक परीक्षाओं के लिए आना जरूरी होगा, उनको बुलाने से बुलाया जाता रहेगा।

ऑनलाइन कक्षाएं केमिस्ट्री, मॉलजीव, गुरुवार, शुक्रवार को होंगी। कुंवार और शनिवार को ऑफलाइन कक्षाएं होंगी, जिनमें मुख्य रूप से जिज्ञासाएं शांत की जाएंगी। स्नातकोत्तर की कक्षाओं का समय शुक्र 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ही गठाता है। इस दौरान सभी शिक्षक उपस्थ रहेंगे।

परास्नातक परिणाम में अब नहीं होगा कोई बदलाव

परास्नातक परीक्षा में गड़बड़ी परिणाम को लेकर विवाद दूर होने का नाम नहीं ले रही है। लविवि द्वारा कराए गए सर्वे में यह कहा गया है कि जो भी गड़बड़ी थी, उसको दूर कर दिया गया है। अब 4 दिसंबर को कोई भी गुंजाइश नहीं है। जो भी आंदोलन करने की कोशिश की जा रही है, वह एक छात्रनेता का विश्वविद्यालय में प्रवेश न मिलने की कुंठा से हो रही है। कुलपति और आयोजित छात्रों का आरोप है कि गलती हुई है। एक अधिकारी को बनाने के लिए प्रशासन पूरा तंत्र लगा रहा है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि हमने जो कमेटी बनाकर परिणाम घोषित किए हैं, वह पूरी तरह से सही हैं। हमने कहते जो परिणाम घोषित किए थे उनमें कुछ दिक्कत थी। कुंजी गलत आपोषित हो गई थी, न्यूज डस्क और वीडियो गड़बड़ी नहीं हुई है। प्रो. राजनीति कमेटी ने जांच कर के सकुछ ठीक पाया है। विश्वविद्यालय परिसर में हो रहे आंदोलन अब पूरी तरह से शांतपूर्ण व्यवस्था का प्रयत्न है। उन्होंने बताया कि मुझे जो कुछ भी इस प्रकरण में करना है वह कर दिया है।

थ्योरी आधारित ही होगी स्नातक और विवि की बैक झूंपूवमेंट परीक्षा

लविवि की स्नातक यानी बीए, बीकॉम और बीएससी बैक पेपर झूंपूवमेंट परीक्षा थ्योरी आधारित होंगी। इसमें नई पद्धति का उपयोग नहीं किया जाएगा। वहीं, वहीं, विवि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के छठे सेमेस्टर की बैक पेपर और झूंपूवमेंट परीक्षा भी थ्योरी आधारित ही करवाई जाएगी। परीक्षा नियंत्रक एएम सक्सेना ने बताया कि विवि त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के छठे सेमेस्टर की बैक पेपर और झूंपूवमेंट परीक्षा को लेकर गठित की गई कमेटी की संस्तुति पर ही सही बैक, झूंपूवमेंट और स्पेशल बैक पेपर की परीक्षा थ्योरी आधारित ही उपयोग किया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 3

बीएड के अंतिम चरण का पंजीकरण शुरू

अमृत विचार लखनऊ

- तीसरे चरण में 2 लाख 40 हजार तक सीट आवंटन परिणाम जारी

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बीएड तीसरे चरण की काउंसिलिंग के तहत 2 लाख 40 हजार तक सीट आवंटन परिणाम शुक्रवार को जारी कर दिया गया है। वहीं चौथे और अंतिम चरण के लिए आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया भी शुरू हो गयी है। इस बारे में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि चौथा चरण विशेष होगा, इसमें पंजीकरण करने अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग में भाग लेने मौका दिया जायेगा।

उन्होंने बताया कि घोषित परिणाम में कुल 29947 अभ्यर्थियों ने काउन्सिलिंग में प्रतिभाग किया। इनमें से 26507 अभ्यर्थियों को उनको मूल कॉलेज ही प्रदान किया गया है। वहीं अंतिम चरण के लिए आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस समय में प्रथम से अंतिम रैंक तक के वे सभी अभ्यर्थी प्रति